CIJ–01

June – Examination 2022

Certificate in Phalit Jyotish Examination

PHALIT JYOTISH KA SAIDDHANTIK GYAN

फलित ज्योतिष का सैद्धान्तिक ज्ञान

Paper : CIJ-01

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **5×4=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

1. (i) प्रत्यरि नक्षत्र किसे कहते हैं ?

   (ii) द्विस्वभाव राशियाँ कौनसी हैं ? नामोल्लेख कीजिए।

(iii) योग गणना का सूत्र लिखिए।

(iv) सूर्य किसका कारक ग्रह है ?

(v) सेनापति ग्रह का नाम बताइए।

(vi) कुण्डली में आत्मज्ञान का सम्बन्ध किस ग्रह से है ?

(vii) कुण्डली में मारक भाव कौनसा होता है ?

(viii) कुण्डली में हृदय का ज्ञान किस भाव से होता है ?

(ix) पिण्डायु संस्कार से क्या आशय है ?

(x) सूर्य में मंगल का क्या फल है ?

खण्ड—ब **4×20=80**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

2. भारतीय ज्योतिष के इतिहास पर लेख लिखिए।

3. नक्षत्र किसे कहते हैं ? राशि तथा नक्षत्रों के परस्पर सम्बन्ध को दर्शाइए।

4. तत्त्व एवं लिङ्ग के आधार पर राशियों का विभाजन कीजिए।

5. करण किसे कहते हैं ? विविध करणों का वर्णन कीजिए।

6. बुध ग्रह का खगोलीय एवं ज्योतिषीय वर्णन कीजिए।

7. पंचधा मैत्री का वर्णन कीजिए।

8. रज्जु योग एवं मूसल योग का वर्णन कीजिए।

9. वर्तमान समय में ज्योतिष विषय की प्रासंगिकता की समीक्षा कीजिए।